http://www.uoronline.com

B.A. (Part I) EXAMINATION, 2019

HINDI LITERATURE-I

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न-पत्र : आदिकाल एवं भक्तिकाल

Time Allowed : Three Hours   Maximum Marks : 100

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये- 10

(क) राज चित्त कैमास। चित्त कैमास दासि गय॥
नीर चित्त बर कमल। कमल चित्त बर भान गय॥
भंवर चिंत भमरी सु। भंवर रत्तौ सु कुसम रस॥
ब्रह्म लोय रत्तयौ। लोय रत्तौ सु अधम रस॥
उतमंग ईस धरि गंग कौ। गंग उलटि फिर उदधि मिलि॥

अथवा

आली री! मेरे नैणां बाण पड़ी। 10
चित्त चढ़ी मेरे माधुरी मूरति, उर बिच आन अड़ी
कब की ठाढ़ी पंथ निहारूं, अपणै भवन खड़ी
कैसे प्राण प्रिया विन राखूं, जीवन-मूर जड़ी
मीरां गिरधर हाथ बिकानी, लोक कहैं बिगड़ी॥

(ख) खेलत फाग सुहाग भरी अनुरागहिं लालन कों धरि कै॥ 10
मारत कुंकुम केसरि के पिचकारिन में रँग को भरि कै॥
गेरत लाल गुलाल लली, मनमोहिनी मौज मिटा करि कै॥
जात चली रसखानि अली मदमस्त मनों मन को हरि कै॥

अथवा

पुर तें निकसी रघुवीर वधू, धरि धीर दए मग में डग द्वै। 10
झलकीं भरि भाल कनीं जल की, पुट सूखि गए मधुराधर वै।
फिरि बूझति हैं, चलनो अब केतिक, पर्नकुटी करिहौं ति ह्वै।
तिय की लखि आतुरता पिय की अँखियाँ अतिचारू चली जल च्वै॥

(ग) ढाढी, जइ साहिब मिलइ, यूँ दाखविया जाइ। 10
जोबण कमल विकासियउ, भमर न बइसइ आइ॥
ढाढी, एक सँदेसड़उ, ढोलइ लगि लइ जाइ।
जोबन चाँपउ मउरियउ कळी न चुट्टइ आइ॥

अथवा

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

कुंज-भवन सँ चलि भेलि हे 10
रोकल गिरधारी।
एकहि नगर बसु माधव हे
जनु कर बटमारी।
छाड़ कन्हैया मोर आँचर हे
फाटत नवसारी।
उपजस होएत जगत भरि हे
जनु करिअ उधारी॥

(घ) जबहूँ मार्‍या खैंचि करि, तब मैं पाई जाँण। 10
लागी चोट मरम्म की, गई कलेजा छाँणि॥
जिहि सरि मारी काल्हि, सो सर मेरे मन बस्या॥
तिहि सरि अजहूँ मारि, सर बिन सच पाऊँ नहीं॥

अथवा

निर्गुन कौन देस को वासी ? 10
मधुकर! हँसि समुझाय सौंहदे, बूझति साँच न हाँसी॥
को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि को दासी।
कैसो बरन भेस है कैसो केहि रस में अभिलासी॥
पावेगी पुनि कियो अपनो जो रे! कहेगौ गाँसी।
सुनत मौन ह्वै रह्यौ ठग्यौ सो सूर सबै मति नासी॥

2. विद्यापति के काव्य के भाव पक्ष की विशेषताएँ बताइए। 15

अथवा

जायसी के काव्य सौन्दर्य का मूल्यांकन कीजिए। 15

3. 'आज कबीर सर्वाधिक प्रासंगिक कवि हैं।' इस कथन के आलोक में कबीर के सामाजिक चिंतन पर विचार कीजिए। 15

अथवा

तुलसीदास की भाषा-शैली पर विचार कीजिए। 15

4. 'भ्रमरगीत' के आधार पर गोपियों के विरह वर्णन का विवेचन कीजिए। 15

अथवा

"मीराँ का काव्य गीतिकाव्य का एक आदर्श प्रस्तुत करता है।" इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए। 15

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिये– 7½+7½=15
   (i) रासो काव्य की विशेषताएँ

http://www.uoronline.com
http://www.uoronline.com
http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

(ii) संत काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

(iii) नाथ साहित्य

(iv) अष्टछाप के कवियों का परिचय

(v) राममार्गी धारा की विशेषताएँ

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com

http://www.uoronline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

http://www.uoronline.com